रानी ने अपने साथ पुरे समूह कि तक़दीर बदली

सहारनपुर जिले कि नकुर तहसील के ब्लाक सरसावा के "परी समूह" ने ग्रामीणो कि जिंद गी बदल दी है। रानी कि दो बेटिया है अपनी बेटी को प्रेरणा मानते हुए समूह का नाम "परी महिला स्वम सहायता समूह" रखा.समूह केसदस्यो ने एक साल पहले जो अल ख जगायी थी, उससे अब करीब २४ परिवार लाभान्वित हो रहा है इतना ही नहीं, समूह द्वा रा तैयार कपडे पुरे सरसावा बाजार में बिक्री हो रही है

सरसावा की रानी को सिलाई का काम सीखने को तैयार किया गया। रानी ने ३ माह का ट्रे निग सरसावा के हीएक सिलाई सेंटर पर लेने के लिए प्रेरित किया गया ट्रेनिग के बाद वो खुद सिलाई का काम शुरू कि। आर्थिक तगीसे उबरने के लिए जनहित फाउंडेशन के ब्लाक को-ऑर्डिनेटर ने उन्हें समूह गठन कि प्रेरणा दी। इसके बाद वर्ष2013 में 13 सदस्यीय "परी महिला स्वम सहायता समूह" का गठन किया गया। समूह के जरिये शिवालिकबैंक से मिले ऋण से शुरू इस कारोबार से अब कई परिवार जुड़ गए है

जनहित फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओ का आजीविका वि कास हो रहा है|आजीविका विकास का मुख्य लक्ष्य है,कि महिलाये जिस कार्य को कर रही है,उसमे नई पद्ति का प्रयोग करकेज्यादा से ज्यादा आमदनी करते हुए अपने कार्यक्रमो को सुचारु रूप से संचालित कर सके ।

आज वह 12000 से 15000 रूपये प्रति माह अपने ही घर में काम कर के अपनी आ र्थिक स्थिति मजबूतकर रही है। और दुसरो को भी प्रेरणा दे रही है।